Total No. of Questions - 6] [Total Pages : 3

**(2022)**

# 9371

**M.A. Examination**

SANSKRIT

(नाटक तथा नाट्यशास्त्र)

Paper–XV

(Semester–IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : { Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

**नोट :** प्रत्येक प्रश्न के सभी भागों का उत्तर एक ही स्थान पर हल करें। प्राइवेट परीक्षार्थियों के अंक कोष्ठक में दिए गए हैं।

1. मृच्छकटिक में वर्णित मुख्य रस का वर्णन करते हुए अन्य रसों पर भी संक्षेप से प्रकाश डालें।

अथवा

मृच्छकटिक के नामकरण की समीक्षा करते हुए मृच्छकटिक का नाट्य-शास्त्रीय महत्त्व बताएं। 10(12½)

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो श्लोकों की प्रसंग सहित व्याख्या करें :

(क) शून्यमपुत्रस्य गृहं चिरशून्यं नास्ति यस्य सन्मित्रम्।
मूर्खस्य दिशः शून्याः सर्वं शून्यं दरिद्रस्य।।

(ख) न पर्वताग्रे नलिनी प्ररोहति
न गर्दभा वाजिघुरं वहन्ति।
यवाः प्रकीर्णा न भवन्ति शालयो।
न वेशजाताः शूचयस्तथाङ्गनाः।

(ग) भाग्यानि मे यदि तदा मम कोऽपराधो।
यद्वन्यनाग इव संयमितोऽस्मि तेन।
दैवी च सिद्धिरपि लङ्घयितु न शक्या,
गम्यो नृपो बलवता सह को विरोधः?

(घ) सर्वः खलु भवति लोकः सुखसांस्थितानां चिन्तायुक्तः।
विनिपतितानां नराणां प्रियकारी दुर्लभो भवति।। 20(25)

3. वसन्तसेना अथवा विदूषक का चरित्र-चित्रण करें। 10(12½)

4. किन्हीं दो सूक्तियों की सप्रसंग व्याख्या करें :

(क) निर्धनता सर्वापदामास्पदम्।

(ख) स्त्रियो हि नाम खल्वेता निसर्गादेव पण्डिताः।

(ग) स्वकं गेहे कुक्कुरोऽपिता वच्चण्डो भवति।

(घ) शोभा हि परस्त्रीणां सदृशजनसमाश्रयः कामः। 10(10)

5. विणकम्भक तथा प्रवेशक का विस्तार से विवेचन करें।

अथवा

कौशिकी वृत्ति का निरूपण करें। 10(10)

6. किन्हीं **चार** पर संक्षिप्त नोट लिखें :

(क) सात्वती वृत्ति।

(ख) नान्दी।

(ग) पताका।

(घ) नाटिका।

(ङ) प्रकरण।

(च) आख्यायिका।

(छ) आरम्भ।

(ज) मुक्तक काव्य। 20(30)